

हर श्रमिक को मिले सम्मान और सुरक्षा

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। आज एक मई को मजदूर दिवस दिवस मनाने का औपचारिकता हर कोई मनायेगा लेकिन वास्तव में मजदूरों का दर्द कोई नहीं समझ पा रहा है, न उनका सम्मान हो रहा है न ही उनकी पूरी मजदूरी दी जा रही है। अधिकांश धनासेठ, ठेकेदार मजदूरी कराने के बाद महीनों मेहनतकशों की मजदूरी रोक ली जाती है। यह सिलसिला एक जगह नहीं पूरे प्रदेश और देश में चल रहा है।

मजदूर दिवस मेहनतकश लोगों के संघर्ष और अधिकारों के सम्मान, योगदान और मेहनत को मान्यता देने के लिए एक बेहद खास दिन है। यह दिन उन सभी श्रमिकों को समर्पित है, जो कठिन परिश्रम से आम जन मानस के जीवन को आसान बनाते हैं। श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूर दिवस राष्ट्रों की सरकारों और संस्थाओं को यह याद दिलाता है कि समाज का विकास तभी संभव है जब श्रमिक सुरक्षित और सम्मानित हों।

हर साल 1 मई को मजदूर दिवस यानी स्वेनत कॅल मनाया जाता है। यह दिन श्रमिकों और मेहनतकश लोगों के अधिकारों और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। मजदूर दिवस की नींव 1886 में रखी गई थी जब इस दिन को मनाने की मांग अमेरिका के शिकागो

शहर में उठी। उस वर्ष मजदूर अपने सम्मान और अधिकारों के लिए सड़क पर उतर आए थे। हालांकि पहली बार मजदूर दिवस 1889 में मनाने का फैसला लिया गया।

मजदूर दिवस आज



1886 से पहले अमेरिका में मजदूरों ने अपने हक के लिए हड़ताल की। मजदूरों की कार्य अवधि को लेकर यह आंदोलन हुआ था। उस दौर में मजदूर 15-15 घंटे काम किया करते थे। आंदोलन के दौरान पुलिस ने मजदूरों पर गोलियां चलाई जिसमें कई श्रमिकों की जान चली गई और कई घायल हो गए।

घटना के तीन साल बाद 1889 में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी

सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें तय हर मजदूर की प्रतिदिन कार्य अवधि 8 घंटे तय कर दी गई। वहीं एक मई को मजदूर दिवस के तौर पर मनाने का फैसला लिया गया। बाद में अमेरिकी मजदूरों की तरह ही दूसरे देशों में भी श्रमिकों के लिए 8 घंटे काम करने का नियम लागू कर दिया गया।

भारत में मजदूर दिवस की शुरुआत

भारत में पहली बार मजदूर दिवस 1923 में मनाया गया था। इस दिन की शुरुआत चेन्नई में कम्युनिस्ट नेता सिंगारवेलु चेट्टियार ने की थी। उन्होंने मजदूरों के हक और अधिकारों की मांग को लेकर मद्रास हाई कोर्ट के सामने पहली बार मजदूर दिवस की सभा आयोजित की थी। इसी सभा में पहली बार भारत में एक मई को मजदूर दिवस मनाया गया।

सार-समाचार

संविधान रैली को लेकर महिला सेवादल की बैठक आयोजित



छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। जिला महिला सेवा दल अध्यक्ष डॉक्टर शबाना यास्मीन खान ने बताया की सेवादल जिला सेवादल मुख्य संगठक सुरेश कपाले के निर्देश अनुसार वार्ड नंबर 13 सीता सरेंआम निवास स्थान पर महिला से बादल की मासिक बैठक संपन्न हुई जिसमें मई माह के रूपरेखा बनाई गई कि आज 1 मई को मजदूर दिवस पर मजदूरों के लिए स्वास्थ्य सिविल लगा जाएगा 7 में हाडीकर की पुण्यतिथि मनाई जाएगी। 8 में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुल नाथ के नेतृत्व में संविधान रैली निकली जिसमें सभी महिला से बादल को शामिल होने के निर्देश दिए गए। 11 में को मदर्स डे 25 मई को मासिक झंडा वंदन एवं 21 को रानी अहिल्याबाई होलकर जयंती मनाई जाएगी। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष डॉक्टर शबाना यास्मीन खान, जिला उपाध्यक्ष सिंधु यादव, जिला महासचिव शाहजहां वानो, जिला सचिव रश्मि धुर्वे, नगर उपाध्यक्ष वीणा जैन, लीना कहार, कविता उडके, पार्वती पंद्रम, आरती ठाकुर, अमीना परते, दुलारी परतेती, पूजा पंद्रम, ग्यारसी खरिया, अमिता, कमला उडके आदि शामिल है।

शहर के घनी बस्तियों में स्वच्छता अभियान चलाने की आवश्यकता

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। शहर छिन्दवाड़ा की अनेक ऐसी कॉलोनिया है, घनी बस्तियां हैं जहां गंदगी का अम्बार लगा हुआ है स्वच्छता अभियान चलाकर खाली प्लाटों, पार्कों और बस्तियों में स्वच्छता बनायी जा सकती है। जैसे वन विभाग की कॉलोनी में गंदगी का अम्बार है, यहां स्वच्छता अभियान चलाने की जरूरत है। परासिया रोड के नाले की सफाई की जरूरत है। जैन भोजनालय के आसपास खाली पड़े प्लाटों की गंदगी से मच्छर भिन्नभिन्न रहे हैं वहां सफाई अभियान की आवश्यकता है।

गोधुलि वृद्धाश्रम छिंदवाड़ा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। कल 30 अप्रैल 2025 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाड़ा सुशांत हुद्दार की उपस्थिति में गौधुलि वृद्धाश्रम छिंदवाड़ा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री हुद्दार द्वारा विभिन्न प्रकार की जानकारीयां वृद्धजनों से साझा की गई एवं उनके स्वास्थ्य, खानपान, रहन-सहन संबंधी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। कार्यक्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाड़ा राकेश सिंह, वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजन, वृद्धाश्रम स्टाफ आदि उपस्थित रहे।



सांसद के जन्मदिन पर गुढ़ी बस स्टॉप पर प्याऊ का शुभारंभ

गुढ़ी अंबाड़ा, देशबन्धु। छिंदवाड़ा जिले के सांसद विवेक बंटी साहू के जन्मदिन के अवसर पर ग्राम पंचायत पालाचौरई के गुढ़ी बस स्टॉप में सरपंच मुकेश उडके एवं पंचायत के द्वारा सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ किया गया जिससे कि इस भीषण गर्मी में आवागमन करते राहगीर एवं नागरिकों को अपनी प्यास बुझाने के लिए शीतल जल पीने के लिए उपलब्ध हो सके। हालांकि गुढ़ी अम्बाड़ा क्षेत्र में अनेक ऐसे स्थान हैं जहां पर राहगीरों के लिए प्याऊ खोलने की आवश्यकता है क्योंकि इस ईलाके में पेयजल की समस्या है। कम से कम इस तरह के प्याऊ खुलने से राह चलते आम नागरिकों के कंठ प्यासे तो नहीं रहेंगे।

इस अवसर पर पालाचौरई सरपंच मुकेश उडके, भारतीय जनता पार्टी के जुन्नारदेव नगर मंडल अध्यक्ष विवेक चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सलोड़े, भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष गौरव सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता शिवकुमार राय, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती सोनिया कुमार, खेमचंद प्रजापति, मीडिया प्रभारी बंटी साहू, गोपाल विश्वकर्मा, सुमरन यादव, पंच पारस खंगार, भोलाराम सोनारे, राजाराम विश्वकर्मा, मिंकू अग्रवाल, राजू वर्मा, पंचायत कर्मचारी अनुराग शर्मा, भरत डेहरिया आदि उपस्थित रहे।



पहलगाम हमले का विरोध, दी श्रद्धांजलि



छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। विगत दिवस स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर गणेश चौक छिंदवाड़ा में सुगम मानस मंडल द्वारा राष्ट्रीय विचारधाराओं से ओतप्रोत संगठनों द्वारा पहलगाम में हुए आतंकियों द्वारा कारगराना हमले में मृत हुए 28 बंधुओं की मृत्यु पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए भारत सरकार से यह विनम्र अनुरोध किया गया है कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हो और घटनाकारित लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए और इन घटनाओं को शय देने वाले पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

सुगम मानस मंडल के संयोजक रमेश पोपल्ली अधिवक्ता ने आगे बताया कि श्रद्धांजली सभा में ज्ञानवर्धिनी शिक्षा समिति से अशोक पोपल्ली, सुगम मानस

लूट का केन्द्र बना विद्युत वितरण केंद्र : ओकटे

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। भाजपा की सरकार मतलब महंगाई की मार, पहले झूठे प्रलोभन व घोषणाएं फिर जनता की गाढ़ी कमाई पर डाका यही है भाजपा की सच्चाई। रोजमर्रा की सामग्री से लेकर प्रत्येक वस्तुओं के दाम में निरंतर बढ़ोतरी की जा रही। आर्थिक संकट से जूझ रहे किसानों पर ऐसे बिल थोपे जा रहे, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती, जितने एच.पी. की विद्युत मोटरें बनती ही नहीं उसके बिल थमाकर किसानों से जबरिया वसूली के प्रयास निंदनीय है। उक्त उद्गार जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने व्यक्त किए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने जारी बयान में आगे कहा कि आज जिले व प्रदेश की जनता मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की पंद्रह माह की सरकार का स्मरण कर रही कि 300 यूनिट तब बिजली मुफ्त मिल रही थी, किसानों को पर्याप्त व समय से विद्युत आपूर्ति मिली।

नकुलनाथ के पांच वर्ष के कार्यकाल को याद किया जा रहा है, क्योंकि उन्होंने कभी भी किसी भी स्तर पर जिले की जनता के साथ मनमानी नहीं होने दी, किन्तु वर्तमान सरकार में सबसे अधिक किसान छला जा रहा है। घरेलू व व्यवसायिक विद्युत उपभोक्ताओं से मनमानी वसूली किया जाना न्याय संगत नहीं है।

किसानों को 4, 6 व 8 एच पी के विद्युत मोटर पम्प के बिल दिए जा रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि इतने एच पी वाले मोटरपम्प होते ही नहीं, फिर

किस आधार पर किसानों को ऐसे विसंगति भरे बिल सौंपे गए।

विगत दिवस छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा कलेक्टर व विद्युत वितरण कम्पनी के अधीक्षण यंत्री को ज्ञापन प्रस्तुत कर विरोध प्रगट करते हुए बिलों में सुधार की मांग की है ताकि जिले के अन्नदाता भाइयों के साथ किसी भी स्तर पर अन्याय ना हो।

सरकार के इशारों पर नियम विरुद्ध जाकर एम.पी.ई.बी. के द्वारा किसानों को प्रताड़ित कर अथवा झूठे पुलिस प्रकरण में फंसाने की धमकी दी जा रही जिसका



कांग्रेस पुरजोर विरोध कर रही है और आगे भी करती रहेगी। किसानों अथवा विद्युत उपभोक्ताओं के साथ अन्याय को कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी।

श्री ओकटे ने जारी बयान में आगे कहा कि भाजपा सरकार ने विद्युत वितरण केन्द्र की परिभाषा बदल दी है। विद्युत वितरण केन्द्र अब लूट का केन्द्र बन चुका है। किसानों को मनमाना बिजली भेजा जा रहा, तो वहीं आम उपभोक्ताओं को भी पूरे वर्ष विसंगतियों भरे बिल दिए जाते हैं जिसको लेकर किसान से लेकर आम उपभोक्ता तक सभी बेदह परेशान व त्रस्त है।

बिल वसूली के लिए तमाम तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं जिसमें कुर्की से लेकर पुलिस प्रकरण तक शामिल है जो कि जबरन वसूली व प्रताड़ना की श्रेणी में आता है और यह सबकुछ भाजपा की सरकार में लूट केन्द्र के माध्यम से संचालित हो रहा। जिसकी कांग्रेस कड़ी व घोर निंदा करती है।

जांच होने तक बिल जमा न करें किसान

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओकटे ने जारी बयान में कहा कि गत दिवस गुरैया में किसानों ने एम.पी.ई.बी. कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कर बड़े हुए बिजली बिलों का विरोध किया है, इसी प्रकरण जिलेभर में विरोध जारी है। श्री ओकटे ने जिले के समस्त किसानों भाइयों से आग्रह किया है कि सभी अपने नजदीकी वितरण केन्द्र पहुंचकर सर्वप्रथम बड़े हुए बिलों के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराएं।

बड़े हुए बिलों की जांच पूरी होने तक बिल जमा नहीं करें, जांच के पश्चात जो तथ्य सामने आएंगे उसके उपरांत बिल जमा किए जाएंगे। किसानों के साथ किसानों के हर दम, हर कदम पर उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ एवं कांग्रेस परिवार खड़ा है इसीलिए किसी से भी डरने अथवा घबराने की आवश्यकता नहीं है।

नेताद्वय के नेतृत्व में कांग्रेस परिवार का प्रत्येक सदस्य किसानों व आम उपभोक्ताओं के साथ विद्युत विरण कम्पनी के द्वारा किए जा रहे अन्याय के खिलाफ खड़ा था, खड़ा है और आगे भी खड़ा रहेगा।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक में संविधान बचाओ रैली पर चर्चा

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। म.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ की उपस्थिति में आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली के संदर्भ में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की एक आवश्यक बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय में सम्पन्न हुई।

संविधान की रक्षा व संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के मान व सम्मान को बनाए रखने हेतु निकाली जा रही संविधान रैली में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

साथ ही संविधान की रक्षा के लिए गांव-गांव व नगर व शहर के जनमानस को संविधान बचाओ रैली में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित करने व बाबा साहब के द्वारा लिखित व निर्मित संविधान को भाजपा के द्वारा बदलने का प्रयास किया जा रहा है उससे जनता को अवगत कराने की जिम्मेदारी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को आयोजित बैठक में सौंपी गई।



